

## हेट क्राइम

### चर्चा में क्यों?

हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय (SC) ने फेसबुक पोस्ट के लिये एक वरिष्ठ पत्रकार के वरिद्ध शुरु की गई हेट क्राइम की कार्यवाही को रद्द कर दिया है।

- सर्वोच्च न्यायालय ने अपने नरिणय में कहा है कथिचकिाकर्त्ता की सोशल मीडिया पोस्ट उत्पीडन के संदर्भ में केवल सच की अभवियकर्त्ती थी।

### प्रमुख बडि

#### पृष्ठभूमि

- सर्वोच्च न्यायालय का यह नरिणय मेघालय उच्च न्यायालय द्वारा भारतीय दंड संहति (IPC) की धारा 153(a) (घृणा), 500 (मानहानि) और 505(c) (किसी समुदाय या जाति को दूसरे के वरिद्ध अपराध करने के लिये उकसाने) के तहत कार्यवाही को रद्द करने से इनकार करने के खिलाफ दायर की गई अपील के तहत लिये गया है।

#### धारा 153(a):

- धर्म, जाति, जन्म स्थान, नविस, भाषा आदि के आधार पर वभिन्न समूहों के बीच शत्रुता को बढ़ावा देना और सद्भाव के प्रतिकूल कार्य करना।
- यह दंडनीय अपराध होगा, जिसमें आरोपी को पाँच वर्ष तक के कारावास और आर्थिक जुर्माने की सज़ा दी जा सकती है।

#### धारा 505(c)

- किसी भी वर्ग या समुदाय के वरिद्ध अपराध करने हेतु किसी भी वर्ग या समुदाय के लोगों को उकसाना अथवा इस संबंध में प्रयास करना।
- यह एक दंडनीय अपराध होगा, जिसमें आरोपी को अधिकतम तीन वर्ष तक के कारावास अथवा आर्थिक जुर्माना अथवा दोनों दोनों सज़ा दी जा सकती है।

## हेट क्राइम

### परचिय

- हेट क्राइम ऐसे आपराधिक कृत्यों को संदर्भित करता है जो कुछ मतभेदों, प्रमुख रूप से धार्मिक प्रथाओं और रीति-रिवाजों आदि के कारण एक व्यक्ति या सामाजिक समूह के वरिद्ध पूर्वाग्रह से प्रेरित होते हैं।
- मौजूदा दौर में इसकी परिभाषा के तहत मॉब लचिगि, भेदभाव और आपतजनक भाषणों के साथ-साथ अपमानजनक तथा ऐसे भाषणों को भी शामिल किया जाता है, जो एक समुदाय वशिष्ट को हसिा के लिये उकसाते हों।
- समग्र तौर पर हेट क्राइम को एक व्यक्ति के अधिकारों पर हमले के रूप में परिभाषित किया जा सकता है, जो न केवल उस व्यक्ति वशिष्ट को प्रभावित करता है, बल्कि संपूर्ण सामाजिक संरचना को नुकसान पहुँचाता है, जिसके कारण इसे अन्य आपराधिक कृत्यों की तुलना में अधिक जघन्य माना जाता है।
- 'हेट स्पीच' में मुख्य तौर पर जाति, नस्ल, धर्म या वर्ग आदि के आधार पर की गई टपिणयिाँ शामिल होती हैं।

### भारत में हेट क्राइम

- भारत में हेट क्राइम को अभवियकर्त्ता की स्वतंत्रता के अधिकार और 'हेट स्पीच' (अभद्र भाषा) के परिणामस्वरूप होने वाले नुकसान के बजाय एक समुदाय को व्यापक पैमाने पर होने वाले नुकसान के संदर्भ में परिभाषित किया गया है।
- भारत में धर्म, जातीयता, संस्कृति या नस्ल पर आधारित कोई भी अभद्र भाषा अथवा टपिणयिाँ पूर्णतः नषिदिह है।

### 'हेट क्राइम' के वरिद्ध भारतीय कानून

- यद्यपि भारतीय कानूनों में कहीं भी 'हेट क्राइम' शब्द का उल्लेख नहीं किया गया है, कति भारतीय संवधान और देश के अलग-अलग कानूनों में इसके वभिन्न पहलुओं की पहचान की गई है।
- धारा 153(a), 153(b), 295(a), 298, 505(1) और 505(2) के तहत भारतीय दंड संहिता (IPC) यह घोषति करती है कि धर्म, जातीयता, संस्कृति, भाषा और क्षेत्र आदि के आधार पर अपमान और घृणा को बढ़ावा देने वाला कोई भी शब्द (लखिति अथवा मौखकि) कानून के तहत दंडनीय है।
- कुछ अन्य कानून, जनिमें 'हेट क्राइम' और इसकी रोकथाम से संबंधति प्रावधान शामिल हैं
  - [जनपरतनिधितिव अधनियिम, 1951](#)
  - [सूचना परौदयोगकि अधनियिम, 2000](#)
  - [गैर-कानूनी गतविधियिँ \(रोकथाम\) अधनियिम, 1967](#)

**स्रोत: द हद्रि**

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/hate-crime>

